Chapter :- 3

विराम चिन्ह की परिभाषा क्या है?

- विराम का अर्थ "रुकना" है। लिखित भाषा में प्रयोग किए जाने वाले लिखित चिन्हों को viram chinh कहते हैं। लेखक के भाव बोध को सुबोध और सरल बनाने के लिए विराम चिह्नों की आवश्यकता होती हैं।

विराम चिन्ह का नाम	विराम - चिह्न
पूर्ण विराम	।
अर्धविराम	;
अल्पविराम	,
प्रश्न सूचक चिन्ह	?
विस्मय सूचक चिन्ह	!
उद्धरण चिन्ह	'...' "..."
योजक चिन्ह	-
विवरण चिन्ह।	(:) (-)
कोष्ठक चिन्ह	() , [ ]
हंसपद या त्रुटिपूरक चिन्ह	(^)
निर्देशक चिन्ह	_
लाघव चिन्ह	०

पूर्ण विराम	Full Stop (।)
अर्द्ध विराम	Semi Colon (;)
अल्प विराम	Comma (,)
उप विराम	Colon (:)
प्रश्नवाचक चिन्ह	Question Mark (?)
योजक चिन्ह	Hyphen (–)
कोष्ठक चिन्ह	Bracket ()
अवतरण या उदहारणचिन्ह	Inverted Comma ("…")
विस्मयादिबोदक चिह्न	Sign of Exclamation [!]
लाघव चिन्ह/ संक्षेपसूचक	Abbreviation Sign (॰)
निर्देशक चिह्न	Sign of Dash [—]
विवरण चिन्ह	Sign of Following (:-)
विस्मरण चिन्ह या त्रुटिपूरक चिन्ह/हंसपद	Oblivion Sign (^)

पूर्ण विराम-(।)

- हम बोलते समय वाक्य ख़त्म होने के बाद विराम देते है। इसी प्रकार लिखते वक़्त वाक्य ख़त्म होने के बाद पूर्ण विराम लगाते है। इसका प्रयोग विस्मायवाचक वाक्यों और प्रश्नवाचक वाक्यों को छोड़ कर हर जगह किया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- **जैसे-**
- **लड़के का पैर फिसल गया।**
- **सब बच्चे उसके पास गए।**

अर्द्ध विराम-(;)

- जहाँ पूर्ण विराम की अपेक्षा कम देर और अल्पविराम की अपेक्षा अधिक देर तक रुकना हो , वहां अर्द्धविराम का प्रयोग करते हैं। (;)। Viram Chinh In Hindi में इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-

- सूर्यास्त हो गया; लालिमा का स्थान कालिमा ने ले लिया ।
- सूर्योदय हो गया; चिड़िया चहकने लगी और कमल खिल गए
- फलों में आम को सर्वश्रेष्ठ फल माना गया है; लेकिन श्रीनगर में और ही किस्म के फल विशेष रूप से पैदा होते हैं।

अल्प विराम-(,)

- वाक्य के बीच में विराम उत्पन्न करने वाले विराम चिन्ह को अल्प विराम कहते हैं। अल्प विराम का प्रयोग नीचे दी गई परिस्तिथियों में किया जाता है। Viram Chinh In Hindi में इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- किसी वाक्य में दो या दो से ज़्यादा समान पद वाले शब्दों में
- हां/नहीं के बाद ; जैसे : नहीं, मैं नहीं चल सकता हूँ । हां, तुम जाना चाहो तो चले जाओ।
- उपाधियों के अलगाव के लिए; जैसे : बी.ए , एम.ए., पी.एच. डी.।

उप विराम-(:)

- अपूर्ण विराम भी कहा जाता है। जब किसी को अलग से दर्शाया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- **जैसे- राम खाना खाता है।**
- शीर्षक – माँ : ममता की प्रतिमूर्ति
- सवांद – सुमन : चलिए , आपको यमराज से मिलवाऊं।
- अमित : भाई, अभी मेरा उनसे बात करने का मन नहीं है।

प्रश्नवाचक चिन्ह-(?)

- प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में ‘प्रश्नसूचक चिन्ह’ (?) का प्रयोग किया जाता है।
- वाक्य में प्रश्नवाचक शब्दों कब, कहाँ , कैसे , क्यों, कब आदि के साथ।
  जैसे :1. क्या आप जा रही है? 2. आपने उसे क्यों बुलाया ?
- व्यंग्यात्मक भाव प्रकट करने के लिए भी सामान्य कथन के बाद ; जैसे : उनके जैसा शरीफ आजतक पैदा नहीं हुआ ?

योजक चिन्ह-(−)

- दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक-चिह्न (−) का प्रयोग किया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- **तत्पुरुष और दवंद समास दोनों पदों के बीच में** : गीता- संगीता, माता-पिता , खेरा-खोटा।
- **मध्य के अर्थ में :** कालका-हावड़ा-मेल ।
- **तुलना सूचक सा/सी/से के पहले :** तुम-सा, मीरा-सी भक्त ।
- **विभिन्न शब्द (युग्मों में)-**भीड़ − भाड़ , डर-वर , पानी − वानी ।

कोष्ठक चिन्ह-()

- वाक्य के बीच में आए शब्दों अथवा पदों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है अथार्त कोष्ठक चिन्ह () का प्रयोग अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए शब्द अथवा वाक्यांश को कोष्ठक के अन्दर लिखकर किया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- जैसे :-
- दशहरे के अवसर पर दशानन(रावण) का वध होता है ।
- लता मंगेशकर भारत की कोकिला (मीठा गाने वाली) ।

अवतरण या उदाहरण चिन्ह-(“...”)

- किसी महान पुरुष द्वारा कही गई बात को उद्धरण करने या किसी वाक्य के खास शब्द पर जोर देने के लिए अवतरण चिह्न (”...”) का प्रयोग किया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- जैसे : महावीर ने कहा , “अहिंसा परमो धर्म “। गाँधी ने कहा, “हमेशा सत्य बोलो “।

विस्मयादिबोधक चिह्न [!]

- वाक्य में हर्ष, विवाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि का बोध कराने के लिए विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग किया जाता है अर्थात विस्मयादिबोधक चिन्ह (!) का प्रयोग अव्यय शब्द से पहले किया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- जैसे – हे राम! यह क्या हो गया।
  छी:छी ! कितना गन्दा है।
  आह ! कितना सुहावना मौसम है।

लाघव चिन्ह/ संक्षेपसूचक -(॰)

- किसी बड़े अंश का संक्षिप्त रूप लिखने के लिए लाघव चिन्ह/ संक्षेपसूचक(॰) का प्रयोग किया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- अर्जित अवकाश के लिए – अ॰ अ॰
- डॉक्टर के लिए – डा॰
- उत्तर प्रदेश के लिए – उ॰ प्र॰

निर्देशक चिह्न [–]

- निर्देशक चिह्न भी बड़ी लकीर की तरह होता है लेकिन इसका आकार योजक चिन्ह से बड़ा होता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- किसी वाक्यांश/ पद की परिभाषा स्पष्ट करने के लिए , जैसे : "तुम्हे एक अच्छा नागरिक बनना है" -परिश्रम ,लगन , निष्ठा से ।
- किसी व्यक्ति के द्वारा कहे गए कथन को अधिकृत करने से पहले ; जैसे: गाँधी जी ने कहाँ – "सत्य अहिंसा से ही हमें देश को आज़ाद करा सकते है । "

विवरण चिन्ह-(:-)

- विवरण चिन्ह (:-)का प्रयोग वाक्यांश के विषयों में कुछ सूचक निर्देश आदि देने के लिए किया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- जैसे – हिमालय से कई नदियाँ निकलती है जिसमे मुख्य है :- गंगा

विस्मरण चिन्ह या त्रुटिपूरक चिन्ह/हंसपद – (^)

- इसे त्रुटिपूरक भी कहा जाता है | लिखते समय जब कोई शब्द छूट जाता है तो इस चिन्ह को लगाकर उस शब्द को ऊपर लिख दिया जाता है। इस viram chinh के उदाहरण इस प्रकार है :-
- जैसे – राम ^ गया – राम चला गया।
  सीता ^ लायी – सीता खीर लाई।

मुहावरे की परिभाषा

https://leverageedu.com/blog/hi/%E0%A4%AE%E0%A5%81%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B0%E0%A5%87/

- मुहावरा एक ऐसा वाक्य होता है जो वाक्य की रचना करने पर अपना एक अलग अर्थ या विशेष अर्थ प्रकट करता है इनका प्रयोग करने से भाषा,आकर्षक, प्रभावपूर्ण तथा रोचक बन जाती है।

1. **मुहावरा: आँख का तारा, आँख की पुतली**
अर्थ: बहुत प्यारा
वाक्य प्रयोग: यह बच्चा मेरी आँखों का तारा है।

2. **मुहावरा** – खून का प्यासा
अर्थ – जानी दुश्मन होना
वाक्य प्रयोग – उसकी क्या बात कर रहे हो, वह तो मेरे खून का प्यासा हो गया है।

कहावतों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए

- **1. आम के आम गुठलियों के दाम**

अर्थ – एक बार व्यय करने पर दो बार लाभ पाना या दोहरा लाभ प्राप्त होना ।

वाक्य में प्रयोग – नीरज ने परीक्षा पासकी और अपनी किताबे कम दाम पर गीता को बेच दी यह तो वाही बात हो गई आम के आम गुठलियों के दाम ।

2. अंधों में काना राजा

- अर्थ – मूर्खों के बीच कम पढ़ा लिखा व्यक्ति सम्मान पा लेता है।
- वाक्य में प्रयोग – गाव मे नेताजी आए तो ऋतिक ने उनके साथ टुटी पुटी अंग्रेजी क्या बोल ली वह तो अंधो मे काना राजा बन गया ।

3. ऊंची दुकान फीके पकवान

- अर्थ – दिखावा ज़्यादा लेकिन गुण कम होना।
- वाक्य में प्रयोग – विशाल की दुकान से कभी कुछ मत खरीदना वहा ऊंची दुकान फीके पकवान मिलते है।

4. खाक छानना

- अर्थ -दर दर भटकना, मारा-मारा फिरना, किसी चीज की तलाश में व्यस्त रहना आदि।
- वाक्य में प्रयोग – राजा को बीए पास किये हुए पांच साल हो गए लेकिन अभी भी वो नौकरी की तलाश में खाक छान रहा है।

5. एक अनार सौ बीमार

- अर्थ -किसी एक चीज को पाने या उसकी मांग करने वाले लोगो संख्या की बहुत ज्यादा हो।
- वाक्य में प्रयोग – एक सरकारी पद के लिए 500 लोगो ने आवेदन किया है यह तो वही बात हो गई एक अनार सौ बीमार।

6. हाथ मलना

- अर्थ – समय निकल जाने के बाद पछताना।
- वाक्य में प्रयोग – समय पर काम कर लिया करो वरना हाथ मलते रह जाओगे।

7. घर का भेदी लंका ढाए

- अर्थ – किसी अपने के द्वारा धोका मिलना।
- वाक्य में प्रयोग – पुलिस चार मेसे एक चोर को पकड़ने में ही सफल रही परन्तु उस एक चोर ने बाकि तीनो के बारे में जानकारी देदी यह तो घर का भेदी लंका ढाए वाली बात है।

8. गुदड़ी का लाल

- अर्थ – गरीब घर में गुणवान का पैदा होना
- वाक्य में प्रयोग – राष्ट्रपति कलाम गुदड़ी के लाल हैं।

9. मिट्टी में मिलना

- अर्थ – नष्ट होना
- वाक्य में प्रयोग – केदारनाथ में बाढ़ आने पर सब कुछ मिट्टी में मिल गया।